न्यायियों 1
mcnabb

यहोशू के जीवनकाल में इस्राएल के लोगों ने यहोवा की सेवा की।
यहोशू की मृत्यु के बाद लोग प्राचीनों के अनुसार चलने लगे जिन्होंने परमेश्वर के महान कामों को देखा था जो उसने इस्राएल के लिए किए थे।
तब अगली पीढ़ी आई, जो ना तो यहोवा को जानती थी ... ना ही उन कामों को जो उसने इस्राएल के लिए किए थे।
न्यायियों 2:7-10

इसलिए जो इस्राएल के लोग अपने पुराने मार्गों की ओर हो लिए, परमेश्वर ने उनके आगे से दूसरे लोगों को नकिालना बंद कयिा।
परमेश्वर ने उन लोगों को इस्राएलियों के चारों ओर रखा – यह देखने के लिए कि क्या वे अपने पूरे मन से उसके पीछे चलते हैं।
इस नई पीढ़ी को कसिी भी प्रकार के युद्ध एवं वशि्वास की परीक्षा का अनुभव नहीं था। उनके पुरखों ने उस वायदे कि‌ए हुए देश को अपने कब्जे में लेते हुए सब कुछ सहन कयिा था।
यहोशू की पुस्तक में लोग पूरे दलि से यहोवा की आज्ञा मानते थे....और बड़ी वजिय का जश्न मनाते थे।
परन्तु न्यायियों की पुस्तक की अगली कड़ी में दुखद वर्णन है जो उनके आज्ञा उल्लंघन – और हार के बारे में बताता है।
परमेश्वर की स्पष्ट आज्ञा ना मानते हुए, इस्राएली कनानी लोगों में ववाहि करने लगे – और उनके देवताओं की उपासना करने लगे और वहाँ उपासना के लिए बहुत देवता थे .....
न्यायियों 3:1-6

और उन्होंने इस्राएल के परमेश्वर को त्यागकर घातक गलती की
बाल, सीदोनियों के देवता, हमें भी बलवान और सन्तान की आशीष दे जैसे तूने कनान के लोगों को दी है।
अशतोरेत - मुझे एक नर बच्चा दो और मेरे गर्भ के फल को आशीष दो।
बाल मेरे परिवार का देवता होगा। वह मौसम को नियंत्रित करता है और मेरी फसल की पैदावार को बढ़ा सकता है।
हाँ, क्या कोई उस परमेश्वर की उपासना कर सकता है जिसे वह नहीं देख सकता?
हमें अपनी देवी अशतोरेत की उपासना करनी चाहिए।
इन पुरुषों से पैदा होने वाली संतान बहादुर – और बलवान होगी।
क्या मैंने तुम्हें नहीं बताया था कि कनानी लोग जानते थे कि वे क्या कर रहे थे?
तुम सही कह रहे हो! हमारे पूर्वजों के परमेश्वर यहोवा की उपासना अब चलन से बाहर है।
मैं इस प्रकार की उपासना का आनन्द उठा सकता हूँ।
न्यायियों 2:10-12

ईल परम प्रधान कनानी देवता था। वह बेकाबू वासना का देवता था और इसके साथ एक खूनी तानाशाह था।
उसका पुत्र बाल "आकाश का देवता" था जो मौसम और तूफानों को वश में रखता था।
लोग उसकी ओर आशा लगाते थे कि वह उन्हें संतान दे और उनकी फसलों को सुरक्षति रखे।
लोग उसके लिए बलि चिढ़ाते थे और उसके सम्मान में गंदे काम करते थे।
उसके मन्दरि के भीतर पुरुष और औरतें लुचपन के कामों में लप्ति पाए जाते थे।
उसकी पत्नी को अशतोरेत कहा जाता था और वह जननांग और युद्ध की देवी थी।
इसके अलावा भन्नि भन्नि लोगों के और भी स्थानीय देवता थे।

क्योंकि जो इस्राएल के लोग परमेश्वर से पीछे हट गए थे इस कारण परमेश्वर ने उन पर सात वर्ष का कठोर अत्याचार होने दिया...
पर हर समय, जब लोगों ने परमेश्वर की दोहाई दी, परमेश्वर किसी एक छुड़ाने वाले को भेज देता था।
मेसोपोटामिया के राजा कूशन – रशिआतइम ने, आठ वर्षों तक इस्राएलियों को अपने अधीन रखा।
मैं इस लालची राजा से अपना अनाज छिपा छिपा कर थक गया हूँ।
वह हमारे अनाज और हमारी औरतों को ले जाता है।
परमेश्वर का क्रोध हमारे ऊपर भड़का है क्योंकि हमने उसको त्याग दिया है।
मूसा ने कहा था कि यही होगा यदि तुम दूसरों के देवताओं के पीछे चलोगे।
बस अब बहुत हो गया...
तब लोगों ने परमेश्वर की दोहाई दी, और उसने कालेब के छोटे भाई, ओत्नीएल को ठहराया, जो वायदे किए हुए देश को लेने के लिए यहोशू के साथ था।
आओ हम ओत्नीएल के साथ चलें – यहोवा उसके संग है।
परमेश्वर ने राजा को ओत्नीएल के अधीन में कर दिया और चालीस साल तक इस्राएल के बारह गोत्रों में शांति बनी रही।

यहाँ हमें कोई नहीं देखता।
मैं अशेरा से एक संतान की माँग करूँगी।
ओत्नीएल के मरने के बाद इस्राएलयिों ने फरि से स्थानीय देवताओं की पूजा की और उनकी रीतयिों को मानने लगे।
दूसरे अत्याचार का समय मोआब के राजा एग्लोन की अधीनता में चला।
इस्राएल को पराजति करने के लिए अम्मोनी और अमालेकी भी एग्लोन के साथ मलि गए।
अब मुझसे ज़्यादा देखा नहीं जाता।
वे हमारा सारा अनाज ले गए।
...और हमारी बेटियाँ भी
हम तो सरिफ गुलामों की तरह उनके लिए काम करते रहते हैं। परमेश्वर हमारी मदद कर।
18 वर्ष के अत्याचार और पराजय के बाद, एहूद नामक एक बन्यामीनी को उनका छुड़ाने वाला ठहराया; वह बैंहत्था था।

इब्रियों का एहूद इब्रियों की ओर से भेंट लेकर आया है।
राजा से कह... मेरे पास उसके लिए एक नजि संदेश है।
हे राजा, तेरे लिए मेरे पास एक गुप्त संदेश है।
खामोश! सभी बाहर चले जाओ।
मेरे पास एक संदेश है....
शायद इसे सोने के गुप्त खज़ाने का मालूम है जो दूसरे इब्री छुपा रहे थे...
परमेश्वर की ओर से...
...तेरे लिए

यह रहा
तेरा संदेश!
और तलवार राजा में आरपार
घुसेड़ दी; और हत्‍या भी।
राजा निश्‍चय लघुशंका
करता होगा; उसे भीतर
काफी समय हो गया था।
जब वह इंतज़ार कर रहे थे,
एहूद वहाँ से बच निकला।

न्यायियों 3:20-26

पूरे देश से इस्राएली इकट्ठा हुए और एहूद के पीछे हो लिए। उन्होंने कोई दस हजार मोआबियों को मार डाला और अपने देश को वापस ले लिया।
इस हिस्से को घेर लो – इसी स्थान से वे यरदन पार जा सकते हैं।
और तब अस्सी वर्ष तक देश में शान्ति बनी रही।
इस समय के दौरान एक और न्यायी शमगर ने, इस्राएलियों की सुरक्षा को यकीनी बनाया, उसने छः सौ पलिश्ती पुरुषों को बैल के पैने से मार डाला।

अस्सी वर्ष के बाद, लोगों ने सच्चे परमेश्वर यहोवा को छोड़ उस देश के देवताओं की पूजा करनी शुरू कर दी।
इस समय इस्राएली लोगों ने एक कनानी राजा, याबीन के रूप में अपनी तीसरी चुनौती का सामना किया।
राजा याबीन क्रूर था।
अपने शासन के दौरान सेनापति सीसरा की अगुवाई में उसने 900 लोहे के रथों से उन पर अंधेर किया।
सेना अजय थी और 20 साल के लिए इस्राएल के लोगों ने अंधेर सहन किया।

दबोरा के खजूर – 1260 ई.पू. न्यायी नबयिा दबोरा ने उन सभी की अगुवाई की जो परमेश्वर की इच्छा के चाहने वाले थे।
उन्होंने मेरे अनाजों से भरे खलहिानों को जला दयिा।
सपिाही मेरी एकलौती बेटी को ले गए।
हमने यहोवा को पुकारा – परन्तु उसने नहीं सुना।
हमारे पापों ने हमें परम प्रधान की आशीषों और सुरक्षा से अलग कयिा है।
यहोवा ने कहा था यद‍ि तुम इस देश के देवताओं के पीछे चलोगे तो दुःख उठाओगे।
हमने बहुत पाप कयिा है।
मेरे पत‍ि ने अपने गाँव में बाल की मूरत को गरिा दयिा! हम केवल प्रभु परमेश्वर की उपासना करेंगे – और उसके आदेशों का पालन करेंगे।
फरि से, उन्होंने मदद के लिए पुकारा।
बाराक को बुलवा भेजो। उसे मेरे पास लाओ।

न्यायियों 4:4-6

आपने अपने दास बाराक को बुलवाया।
प्रभु ने मुझे निर्देश दिया है।
उसने आज्ञा दी, कि तू जाकर ताबोर पहाड़ पर चढ़ और नप्तालियों और जबूलूनियों में के दस हजार पुरुषों को संग ले जा।
प्रभु सीसरा के रथों और भीड़-भाड़ समेत कीशोन नदी तक तेरी ओर खींच ले आएगा; और उसको तेरे हाथ में कर देगा।
यदि तू मेरे संग चलेगी तो मैं जाऊँगा, नहीं तो न जाऊँगा।
ठीक है।
मैं तेरे संग चलूँगी। तौभी इस यात्रा से तेरी तो कुछ बड़ाई न होगी, क्योंकि यहोवा सीसरा को एक स्त्री के अधीन कर देगा।

न्यायियों 4:6-9

न्यायियों 4:10

लड़ाई के कोलाहल से दूर हेबेर और उसकी पत्नी याएल ने डेरा कयिा हुआ था।
वे कनानी थे और मूसा की पत्नी सपिोरा के वंश के थे।
वे खानाबदोश थे जो इस्राएलयिों के साथ रहते थे और उनसे अच्छा सबंध रखते थे।
सीसरा और उसकी सेना अपने मजबूत रथों से कलि से बाहर नकिले।
अंतमि रूप से लड़ने के लएि - और उसके लएि मरने वालों को देखना।

खबर यह है क 10000 बलवान हैं।
बहुत बढ़यिा - 10,000 मेरे लोहे के रथों के नीचे कुचले जाने के लिए।
और उनके पास कोई भी रथ नहीं।
और भी बेहतर।
इस्राएली सेना, यद यिह कहा जाए, अब ताबोर पर्वत पर डेरा कयिा हुआ है।
यज्रिेल की तराई – लड़ाई के लिए सही स्थान।
अपनी जगह पर रहो और बहते लहू को देखना।
सीसरा और उसकी रथों की सेना ने कभी भी कोई युद्ध नहीं हारा।
आज वे पराजय होंगे। जाओ! आज वह दनि है जसि में यहोवा ने सीसरा को तेरे हाथ में दे दयिा है। क्या यहोवा तेरे आगे नहीं नकिला है?

न्यायियों 4:14

न्यायियों 4:15

वर्षा नहीं – हमें जल्दी से समतल जमीन की ओर जाना होगा।
हमारे रथ इस हालत में आगे नहीं बढ़ सकते।
कीचड़ में से जाना सहज ना होगा।
सच में इस्राएली सेना का परमेश्वर तूफानों का परमेश्वर है। हम इस से बच नहीं पाएँगे।
क्रेक!
कशीन नदी – अपने तटों से ऊपर बह रही है...
अब मैं जान गया हूँ कि इस्राएल का परमेश्वर हमारे विरोध में लड़ रहा है...
.. इस से पहले कि हमारी सारी सेना फँस कर नाश हो जाए हमें निकलना चाहिए।

न्यायियों 4:15-16

ऊँहहहहहह
सेना के साथ रहो और नर्िजन स्थान में उनकी अगुवाई करो।
मैं पैदल नकिल जाऊँगा कमिैं छुप जाऊँ और तब सेना के साथ आ मलिूँगा।

घमण्ड से भरी कनानी सेना के लिए लड़ाई सहज न थी।
इसकी बढ़ाई बाराक को नहीं जाएगी।
जल्दी से पीछा करो। तलवार से मारो जब तक कोई पुरुष ना बचे।
कृपया। मुझे मदद चाहिए।

न्यायियों 4:16-17

तुम सीसरा हो – याबीन राजा की सेना का सेनापति।
हाँ, मैं ही हूँ।
हमारे राजा और तुम्हारे कनानी कबीले में अच्छे सम्बन्ध हैं।
हाँ – बलिकुल हैं।
तो मुझ पर दया कर। मुझे अपने तम्बू में छिपा ले। इस्राएली कभी भी एक चरवाहे के तम्बू में मेरी तलाश नहीं करेंगे।
हे मेरे प्रभु, आ, मेरे पास आ। न डर।
मुझे प्यास लगी है। मुझे थोड़ा पानी पलिा।
यह हमारी बकरियों का ताज़ा दूध है। यह युद्ध की थकान से आपको पोषण देगा।
द्वार पर खड़ी रह, और यदकिोई आकर तुझ से पूछे, कयिहाँ कोई है? कहना, कोई नहीं।

न्यायियों 4:17-20

पर याएल ने एक खूँटी ली...
....और दबे पाँव उसके पास गई जहाँ वह थकान से गहरी नींद में सोया हुआ था।
उसने उसकी कनपटी में ऐसा ठोक दिया कि खूँटी पार होकर भूमि में धंस गई; सो वह मर गया।

कनानी सेनापति बच नहीं सकता। हमारी विजय के लिए उसे हमारे कब्ज़े में होना चाहिए, कहीं फिर से वह अपने लोगों को इकट्ठा करे।
हमने उसे इसी दिशा में लड़ाई के मैदान से भागते हुए देखा है। वह ज़्यादा दूर नहीं गया होगा।
इधर आ। जिसको तू खोजी है उसको मैं तुझे दिखाऊँगी।
नबिया का वचन पूरा हुआ। याएल – हेबेर की पत्नी – ने पराक्रमी सेनापति सीसरा को घात किया।
... विजय की बढ़ाई उसे मिली।
उस दिन कनान के राजा याबीन को इस्राएलियों के सामने नीचा दिखाया।
और इस्राएली प्रबल होते गए, यहाँ तक कि उन्होंने अपने दुश्मनों को नष्ट कर डाला।

उसी दनि उन्होंने दबोरा का यह गीत गाया।
जब इस्राएल के अगुवों ने अगुवाई की और प्रजा अपनी ही इच्छा से भरती हुई - इसके लयि यहोवा को धन्य कहो!
हे राजाओं, सुनो! मैं आप इस्राएल के परमेश्वर यहोवा के लयि गीत गाऊँगी।
यहोवा के प्रताप से पहाड़, इस्राएल के परमेश्वर यहोवा के प्रताप से वह सीनै पघिलकर बहने लगा।
जब तक मैं दबोरा न उठी, जब तक मैं इस्राएल में माता होकर न उठी, तब तक गाँव सूने पड़े थे।
जब उन्होंने नये देवता चुने, उस समय फाटकों में लड़ाई होती थी।
कनान के राजा मगद्दिो के सोतों के पास लड़े; पर रूपयों का कुछ लाभ न पाया।
आकाश की ओर ताराओं ने लड़ाई की। कीशोन नदी ने उनको बहा दयिा।
हे यहोवा, तेरे सब शत्रु ऐसे ही नाश हो जाएँ!
परन्तु उसके प्रेमी लोग प्रताप के साथ उदय होते हुए सूर्य के समान तेजोमय हों।
फरि देश में चालीस वर्ष तक शान्त रही।

"THE BIBLE EXPLAINED IN EVERY LANGUAGE."

SUPERBIBLE.TV